सिंचाई कमान में जल प्रबन्धन एवं जल निकास रणनीति विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

उपरोक्त विषय पर दिनांक 17 अगस्त, 2010 से शुरू हुई दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज दिनांक 18 अगस्त, 2010 में समापन हो गया । इस प्रशिक्षण शिविर में हरियाणा कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण के कैथल, रोहतक व हिसार सर्किल क्षेत्रों के अर्न्तगत आने वाले करनाल, पानीपत, कैथल, कुरूक्षेत्र, झज्जर, रोहतक, रेवाडी, जीन्द, हिसार, फतेहाबाद आदि जिलों के 20 अधीक्षक अभियन्ता, कार्यकारी अभियन्ता व सब डिविजिनल ओफिसर ने भाग लिया । यह प्रशिक्षण शिविर हरियाणा कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण के सौजन्य से किया गया। इस दौरान विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा सम्बन्धित विभिन्न विषयो पर चर्चा की गई तथा संस्थान में किए जा रहे उपरोक्त विषय से सम्बन्धित शोध परीक्षणों का भ्रमण भी कराया गया।

संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक डा• प्रदीप डे द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्य, दिए गए व्याख्यानों एवं अन्य बातों पर प्रकाश डाला गया । काडा से आए कुछ प्रशिक्षणाथियों ने काडा की उपलब्धियों एवं प्रशिक्षण शिविर के दौरान दिए गए व्याख्यानों पर प्रकाश डालते हुए शिविर को बहुत ही लाभदायिक बताया । उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कृषकों को सरकारी तन्त्र से जुड़ने और जल उपभोक्ता समितियों को दीर्घजीवी बनाने कि व्यवहारिकता पर अपनी सहमति जताई ।

संस्थान के निदेशक डा• एस• के• गुप्ता ने संस्थान आगमन पर सभी आगुन्तकों का स्वागत किया तथा सिंचाई कमान के लिए जल प्रबन्धन एवं जल निकास रणनीति के अनेक मुद्दो पर चर्चा करते हुए इस बात पर बल दिया कि पानी की कमी को देखते हुए वर्षा, नहर और भूमिगत जल का सदुपयोग आवश्यक है कोई भी पानी खराब नही होता जब तक उसकी उपयोग क्षमता समाप्त न हो जाए । पानी के पुनः प्रयोग से अच्छे पानी की बचत की जा सकती है तथा अधिक आर्थिक लाभ कमाया जा सकता है उन्होने समस्याओं के निदान हेतु अविलम्ब कार्यवाही करने की अपील की जिससे की सिंचाई का पानी टेल तक पहुंच सके ।

अपने समापन अभिभाषण में डा• गुप्ता ने कहा कि आज हमारे पास जो पानी है वह प्रकृति की देन है जो कि हमें निःशुल्क उपहार मिल रहा है डा• गुप्ता ने कहा कि हमें किसानों को जागरूक करना चाहिए कि जहाँ भी पानी की बूदं गिरे उसको समेट ले ताकि **खेत का पानी खेत में व गाँव का पानी गाँव में,** के नारे को साकार किया जा सके इसके लिए किसानों को अहम् भूमिका निभानी होगी । उन्होंने भू–जल स्तर की गिरावट पर चिन्ता प्रकट करते हुए कहा कि किसान बरसात ऋतु के पानी को नालों में बहने से रोके तथा संरक्षण करे । इस शिविर में सिंचाई क्षेत्रों में किसानों की सहभागिता पर विशेष बल दिया गया है और इसमें आने वाली कठिनाइओं तथा सुदृढ़ बनाने की उपायों की भी चर्चा की । जल समितियों को कागजों से ऊपर उठकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया गया । मुख्य अतिथि द्वारा प्रशिक्षणाथियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये ।

अपने अभिवादन भाषण में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा• डी• एस• बुदेला ने मुख्य अतिथि, संस्थान के वैज्ञानिकों, Faculty तथा काडा से आए अधिकारियों का धन्यवाद किया ।

Training on
Water Management and Drainage Strategies for Irrigation Commands
August 17-18, 2010
Sponsored by : Command Area Development Authority, Haryana
Organized By
Central Soil Salinity Research Institute

Training on
Water Management and Drainage Strategies for Irrigation Commands
August 17-18, 2010
Sponsored by : Command Area Development Authority, Haryana